Hindi Murli Quiz 30-07-2015

Q.1) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**
"मीठे बच्चे, तुम इस पढ़ाई से अपने सुखधाम जाते हो वाया ---------, यही तुम्हारी एम आब्जेक्ट है, यह कभी नहीं भूलनी चाहिए"

- शान्तिधाम
- shantidham
- शांतिधाम
- shaantidhaam
- सान्तिधाम
- शान्तीधाम
- saantidham

Q.2) **Q. "इस समय ड्रामा में टोटल दु:ख की सीन है। अगर किसी को सुख है भी तो अल्पकाल काग विष्टा समान। बाकी दु:ख ही दु:ख है। सेकण्ड बाई सेकण्ड बेहद सृष्टि का चक्र फिरता रहता है, एक दिन न मिले दूसरे से। सारी दुनिया की एक्ट बदलती रहती है। नई सीन चलती रहती है।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप हमको पतित से पावन बनाने के लिए पढ़ाते हैं।	पावन बनने का सहज उपाय बताते हैं याद का।
B	बाप न आये तो सृष्टि का चक्र ही न फिरे।	दु:खधाम से सुखधाम कैसे बनें?
C	जब तुम स्वर्ग में रहते हो तो इसका नाम भारत रहता है,	फिर जब तुम नर्क में आते हो तब हिन्दुस्तान नाम पड़ता है।
D	अब तुम बच्चों की बुद्धि में यह रहता है कि अभी हम जाते हैं अपने घर।	इसमें मेहनत करनी है पावन बनने की।
E	अपने से पूछना चाहिए,	मेरे में कोई अवगुण तो नहीं है?

Q.4) **Q. इस मैचिंग एक्सरसाइज में सबसे उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान भरें –**

	Choice	Match
A	गाते भी हैं मुझ निर्गुण हारे में कोई ------ नाही, आपेही तरस परोई।	गुण ।
B	बाबा कहते कि मैं किसी पर ------ नही करता हूँ। -------तो हर एक को अपने पर करना है।	रहम ।
C	न रावण का ----- , न मनुष्यों का ----- है। चक्र को फिरना ही है।	दोष ।
D	विनाश काले विप्रीत -------- विनशन्ती। यह होने का है।	बुद्धि ।
E	यह ख्याल रखना चाहिए कि अभी ----- हुए तो कल्प-कल्पान्तर ------होंगे ।	फेल ।

Q.5) **Q.केवल सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. ☑ ब्राह्मणों का झाड़ बढ़ना भी जरूर है। इतना ही बढ़ेगा जितना देवताओं का झाड़ है।
B. ☑ लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब सम्वत शुरू होता है।
C. ☐ नम्बरवन पर्व है दीपावली ।
D. ☑ हर कार्य करते हुए स्मृति रहे कि अभी हम घर जाकर फिर अपनी राजधानी में जायेंगे तो अपार खुशी रहेगी।
E. ☐ याद से कमाई, ज्ञान से पवित्र।

Explanation: 1.नम्बरवन पर्व है शिवबाबा की जयन्ती। 2.याद से पवित्र, ज्ञान से कमाई ।

Q.6) **Q. फुल मार्क्स लेने के लिए शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	बच्चियाँ कहती हैं हमारे पति की बुद्धि फेरो।	बाबा कहते हैं तुम योगबल में रह फिर बैठ ज्ञान समझाओ। बाबा थोड़े ही बुद्धि को फेरेंगे।
B	कोई गुरू से फायदा हुआ, सुना, तो बस उनके पीछे पड़ जाते हैं।	नई आत्मा आती है तो उनकी महिमा तो निकलेगी ना।
C	एक जैसे फीचर्स वाले दो हो न सकें।	यह बना-बनाया खेल है जो रिपीट होता रहता है।
D	मनुष्य समझते नहीं। वह है आसुरी सम्प्रदाय।	तुम हो ब्राह्मण सम्प्रदाय, दैवी सम्प्रदाय बन रहे हो।

Q.7) **Q. "बाप समझाते हैं-बच्चे, अन्तर्मुख होकर अपना चार्ट रखो तो जो भूलें होती हैं उनका पश्चाताप् कर सकेंगे। यह जैसे योगबल से अपने को माफ करते हो। बाबा कोई क्षमा या माफ नहीं करते, बाप केवल युक्ति बताते हैं आत्माओं को। । ड्रामा में क्षमा अक्षर ही नहीं है। तुमको अपनी मेहनत करनी है। पापों का दण्ड मनुष्य खुद ही भोगते हैं।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.8) **Q. "----------हो अपने वा दूसरों के पुरूषार्थ को देखना है। कभी भी अपने आपको घाटा नहीं डालना है।"**
[धारणा के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ साक्षी
B. ○ एक्टर
C. ○ साथी
D. ○ स्नेही
E. ○ सहभागी

Q.9) **Q. "अब मन का मौन रखो जिससे व्यर्थ संकल्प आवे ही नहीं। जैसे मुख से आवाज न निकले वैसे व्यर्थ संकल्प न आये-यह है मन का मौन। इससे समय भी बच जायेगा और इस मन के मौन से सेवा की ऐसी नई इन्वेन्शन निकलेगी जो साधना कम और सिद्धि ज्यादा होगी। जैसे साइंस के साधन सेकण्ड में विधि को प्राप्त कराते हैं वैसे इस साइलेन्स के साधन द्वारा सेकण्ड में विधि प्राप्त होगी।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.10) **Q. "जो स्वयं समार्पित स्थिति में रहते हैं, सर्व का --------- भी उनके आगे समार्पित होता है।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ---

A. ◉ सहयोग
B. ○ तन
C. ○ मन
D. ○ धन